

WRITTEN ANSWERS TO
QUESTIONS

Books in Regional Languages

*843. { Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Hansda:
Shri Maheswar Naik:

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether universities have any programme for production of books in regional languages;

(b) if so, which are the universities that have initiated such a programme; and

(c) whether the universities are given any assistance by the Government of India, and if so, the nature thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Education (Shri Bhakt Darshan): (a) Yes, Sir.

(b) Universities of Nagpur, Gujarat, and Panjabi are engaged on productions of books in Marathi, Gujarati and Panjabi languages, respectively, under Ministry of Education's scheme of preparation, translation and publication of standard works of University level.

Universities of Agra, Allahabad, Banaras, Bhagalpur, Bihar, Calcutta, Delhi, Gorakhpur, Jabalpur, Jodhpur, Kurukshetra, Lucknow, Nagpur, Panjab, Patna, Rajasthan, Ranchi, Roorkee, Saugar, Magadh, Vikram, and Gurukul Kangri and U.P. Agricultural University are engaged on the production of books in Hindi under the above scheme.

Universities of Annamalai, Mysore, Karnatak and Madras are producing books in Telugu, Kannada, and Tamil respectively under Ministry's scheme of development of modern Indian languages.

University of Delhi is producing Sindhi text-books in Devnagari script.

(c) Central Government meets the entire expenditure in respect of the titles selected by the Universities from the list of titles included in the Ministry's programme. In respect of other titles part of the expenditure not exceeding 50 per cent. is met.

कलकत्ते के दंगों के बारे में 'दीन-दुनिया'
में लेख

*८४६. { श्री कछवाय :
श्री गोकर्ण प्रसाद :
श्री यु० सि० चौधरी :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 'दीन दुनिया' के नवीनतम संस्करण में एक लेख छपा है जिसमें कलकत्ते के दंगों का बड़ा चढ़ा कर वर्णन किया गया है ;

(ख) क्या सरकार ने ऐसे समाचार-पत्रों के विरुद्ध कार्यवाही की है जो झुठी खबरें छाप कर साम्प्रदायिक तनाव बढ़ा रहे हैं ; और

(ग) यदि हाँ, तो क्या कदम उठाये गये हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हाथी) : (क) जी हाँ, यह सत्य है कि दिल्ली से प्रकाशित होने वाले उर्दू मासिक पत्र "दीन-दुनिया" के एक सम्पादकीय (लेख) में कलकत्ता के साम्प्रदायिक दंगों का कुछ बड़ा-चढ़ा कर वर्णन किया गया है, परन्तु लेख का इस्तेमाल जनता में साम्प्रदायिक घृणा तथा झगड़े से बचने की अपील करने का है। अतः यह कानून के अधीन कार्यवाही का उपयुक्त आधार नहीं था।

(ख) और (ग) प्रेस में अनुरोध किया गया है कि वह ऐसे सम्पादकीय लेख, सूचनायें

इत्यादि छापने में संयम से काम ले जो सम्भवतः साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न करते हों और यह अनुरोध आम तौर पर प्रभावशाली सिद्ध हुआ है। कुछ मामलों में जहाँ पत्रों में ऐसे सम्पादकीय लेख या सूचनायें प्रकाशित की हैं और जो सरकार के ध्यान में आई हैं, उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने का प्रश्न विचाराधीन है। राज्य सरकारों को भी समय समय पर लिखा गया है कि वे साम्प्रदायिक पत्रों के प्रति सतर्कता बरतें और उनके विरुद्ध उचित तथा सामायिक कानूनी कार्यवाही करें।

ईसाई पादरी

*८५०. श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पहले वर्षों की अपेक्षागत एक वर्ष में ईसाई संगठनों से सम्बन्धित विदेशी ईसाई पादरियों, डाक्टरों तथा नर्सों की संख्या बढ़ गई है ;

(ख) यदि हाँ, तो अलग अलग इनकी संख्या इस समय देश में कितनी है ; और

(ग) क्या इन संगठनों में काम करने वाले इन ईसाई पादरियों, डाक्टरों तथा नर्सों के विरुद्ध इनकी राष्ट्र विरोधी कार्यवाहियों के बारे में सरकार को कुछ ज्ञापन मिले हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) और (ख). एक विवरण जिसमें तीन वर्षों के बारे में सूचना दी हुई है, समा पटल पर रख दिया गया है। [पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल० टी० २६१४।६४]

(ग) जी, नहीं।

Loan for Methanol Plant

{ Shri Vishwa Nath Pandey:
*851. { Shri Baswant:
{ Shri Onkar Lal Berwa:

Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the U.S. Agency for International Development has granted a new loan to enable the Fertilizer Corporation of India to build a methanol plant near Bombay; and

(b) if so, when and the amount of financial assistance granted?

The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Shri Alagesan): (a) Yes, Sir.

(b) They have agreed to give a loan of 7.8 million dollars in February, 1964 to meet the foreign exchange cost of a Methanol plant at the Trombay Fertilizer site as well as additional foreign exchange required for the main fertilizer plant. The draft of the loan agreement is under scrutiny.

Forcible Occupation of Tribal Land by Pak. Migrants

*852. { Shri Jashvant Mehta:
{ Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the press report that Pakistani migrants in the Assam tribal belts have forcibly occupied extensive areas of forest lands reserved for the tribals;

(b) whether it is a fact that these migrants encourage the infiltrators from Pakistan; and

(c) if so, the action Government propose to take to counteract such activities?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The information is awaited from the State Government and will be laid on the Table of the House as soon as it is received.